यूपीसीडा के जरिए सबसे ज्यादा निवेशक लगा रहे प्रोजेक्ट , पांच लाख को रोजगार मिलने की उम्मीद

एक लाख करोड़ के प्रोजेक्ट जल्द शुरू होंगे

ग्राउंड ब्रेकिंग

■ अजित खरे

लखनऊ। यूपी में अब अगले साल कई बड़े निवेश परियोजनाएं जमीन पर उतरने को तैयार हो रही हैं। चाहे चंदौली में 7000 करोड़ रुपये से तैयार हो रह निजी इंडस्ट्रियल पार्क हो या फिर मिर्जापुर व फतेहपुर में 3000 करोड़ रुपये से लगने वाले सीमेंट प्लांट या फिर अन्य निवेश परियोजनाएं। यूपीसीडा के जरिए ऐसी ही 1 लाख करोड़ से ज्यादा की निवेश परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी के जरिए शिलान्यास होने जा रहा है। इनके जरिए 5.12 लाख रोजगार का इंतजाम होगा।

इनमें सबसे ज्यादा 3.45 लाख करोड़ की परियोजनाएं मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की हैं। चंदौली में बन रहे इंडस्ट्रियल पार्क के उद्योग लगने पर कम से कम 6000 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। झांसी में आरवीएनएल 2840 करोड़ के निवेश से तैयार कर रहा है। इसी तरह इंदोरामा इंडिया यूरिया प्लांट अमेठी में लगाने जा रही है। यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी का कहना है कि प्राधिकरण निवेशकों के प्रोजेक्टवार उन्हें जमीन दिलाने से लेकर तमाम एनओसी दिलाने व परियोजना लगाने तक के काम में सहायता कर रहा है।

परियोजनाओं में लगने वाली राशि (करोड़ में)

सेक्टर	तैयार प्रोजेक्ट	प्रस्तावित रोजगार
ऊर्जा	2,313	3,760
इंफ्रास्ट्रक्चर व रियल इस्टेट	3,918	31,655
लाजिस्टिक व वेयरहाउस	24761	32012
मैन्यूफैक्चरिंग	48,862	3,45,220
अन्य	673	2,421
निजी औद्योगिक पार्क	24,761	32,012
सेवा	627	1261

सात जिलों में संभावित रोजगार व निवेश (करोड़ में)

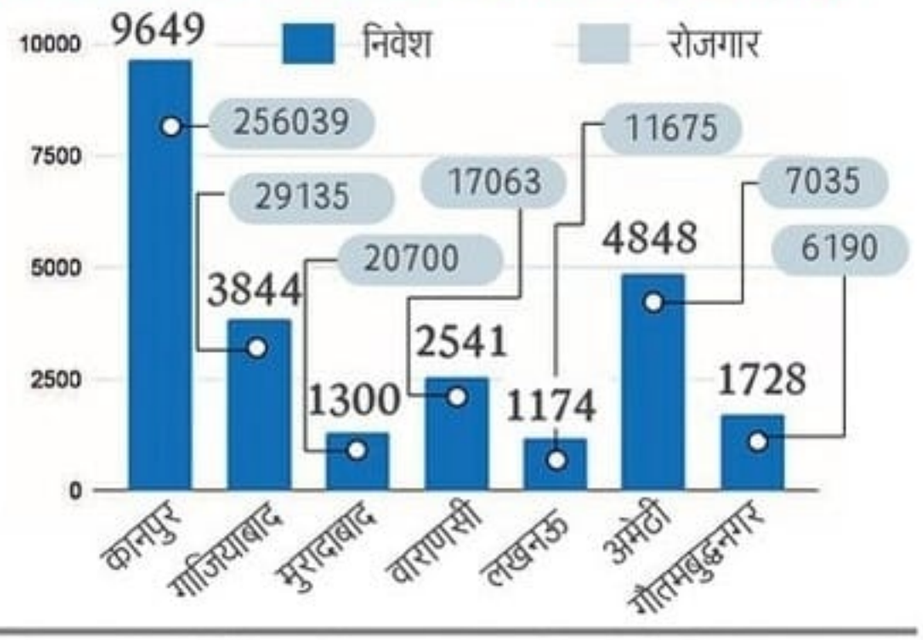

डीएम तैयार करेंगे निवेशकों के लिए 15 एकड़ से अधिक उपलब्ध जमीन का ब्योरा

लखनऊ विशेष संवाददाता। निवेशकों को प्रोजेक्ट लगाने के लिए अब जमीन के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। अब जिलों में 15 एकड़ से अधिक उपलब्ध जमीन का ब्योरा निवेश मित्र पोर्टल पर उपलब्ध होगा। इससे बड़े प्रोजेक्ट लगाने वाली कंपनियां संबंधित जिले में 15 एकड़ की जमीन आसानी से पा सकेंगे।

इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान किए गए एमओयू के अमल के लिए निवेशकों द्वारा लगातार जमीन की मांग की जा रही है। शासन स्तर पर कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। प्रदेश में जिला स्तर पर उपलब्ध जमीन की जानकारी निवेशको को समय समय पर उपलब्ध कराना जरूरी है। पत्र में कहा गया है कि जिला प्रशासन से अपेक्षित है कि 15 एकड़ (6.07 हेक्टेयर) से अधिक एक साथ उपलब्ध जमीन की जानकारी निवेश मित्र पोर्टल पर दिए गए भूमि बैंक सेक्शन में जाकर उपलब्ध करवाई जाए। जिससे भूमि बैंक रियल टाइम जानकारी निवेशक को मिल सके। इसके अलावा भूमि बैंक डेटा निवेश सारथी पोर्टल पर भी जल्द इंट्रीग्रेट कराया जाए। इस संबंध डीएम की गई कार्यवाही की जानकारी शासन को अवगत कराएं। असल में अभी निवेशको को बड़े भूखंड एकसाथ मिलने में मुश्किलें आती हैं। अब डीएम ऐसी जमीन तलाशेंगे जो एक साथ 15 एकड़ की जमीन कहीं उपलब्ध हो और विवाद रहित भी हो।

- निवेश मित्र पोर्टल के लैंड सेक्शन में जमीन का होगा पूरा विवरण
- जमीन की भारी मांग लेकिन जानकारी न होने से भटक रहे उद्यमी